



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ज्ञान अभियान!
दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....२ कॉलम.....।-४

एचएयू में एडवांस कंप्यूटिंग लैब स्थापित

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक ने कहा- शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब
माइ सीटी रिपोर्टर

हिसार। वर्तमान में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्यूटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा।

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग : गणित एवं सांख्यिकी विभाग को अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे, जिनमें स्टैटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा



हक्की में एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार हॉल का उद्घाटन करते डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एके सिंह व कुलपति प्रौ. समर सिंह। संवाद

न्यू स्टैटिकल मॉड्यूल का किया अनावरण

वैज्ञानिक डॉ. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टैटिकल मॉड्यूल का भी अनावरण किया गया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे। इस दौरान मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिंहुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी, जिसका कर सकेंगे। लैब में सांख्यिकी की नई विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग तकनीकों को विकसित करने व पहले से मदद मिलेगी।

आंकड़ों का विश्लेषण कर सकेंगे विद्यार्थी

स्टार्टअप को बढ़ावा देगी एचएयू की बेकरी और कन्फेक्शनरी यूनिट

हिसार(ब्लू)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट का 23 फरवरी को कुलपति प्रौ. समर सिंह उद्घाटन करेंगे। जबकि नाबार्ड की क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। इस केंद्र से युवा उद्यमी अपने व्यवसाय को नया आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को यहां तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने शुक्रवार को बताया कि इस बेकरी एवं कन्फेक्शनरी यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एचएयू के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे।

विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

१८६१ के संवारा

दिनांक २१.२.२०२१...पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....३-६.....

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डा. ए.के.

● हक्की के मौलिक
विज्ञान एवं मानविकी
महाविद्यालय ने गणित एवं
सांख्यिकी विभाग की
एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं
सेमिनार रूम का उद्घाटन

हिसार, 20 फरवरी (सुरेंद्र सौढ़ी) : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ऊपर महानिदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है।

इसी दिशा में एडवांस कंप्युटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए



हक्की के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही

लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित नए आयाम हासिल कर रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी

महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर पायेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पैन्ट जागरण

दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५-६

एचएयू में आंकड़ों का सही विश्लेषण कर सकेंगे शोधार्थी, कंप्युटेशनल लैब स्थापित

जागरण संवाददाता, हिसार : वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डा. एके सिंह ने कहे। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब और सेमिनार रूप स्थापित करने पर बधाई दी।



लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते डा. एके सिंह व प्रो. समर सिंह। ● विज्ञान

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डा. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डा. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर. मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी

अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डा. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीर्घ उद्धम.....

दिनांक २१.२.२०२१....पृष्ठ संख्या..... १..... कॉलम..... २.३.....

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. सिंह

हाइभूग्नि न्यूज ► हिसार

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्यूटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। डॉ. सिंह ने कहा



हिसार। एचएम में एडवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि डॉ. ए.के.सिंह।

कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंग।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

२११८ मासिक

दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम ७-८

एचएय में एडवांस कंप्युटेशनल लैब एवं सेमिनार रूम का हुआ उद्घाटन

हिसार वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओपी श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धमुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिरसा टूडे न्यूज | 21.02.2021 | -- | -- |

शोधार्थियोंके लिए वरदान साबित होगी लैब: डॉ. ए.के. सिंह

एचएसु के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांखिकी विभाग की इवांस कंप्यूटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

हिसार | सिरसा टूडे

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आकड़ों के विश्लेषण के लिए उत्तम लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्यूटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भरतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उत्तम महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांखिकी विभाग की एडवांस कंप्यूटिंग लैब के उद्घाटन उपायत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की



स्थापता में शोधार्थी आंकड़ों का सहायता के लिए विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांखिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर ध्यान दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनको बदौलत ही एचएसु नित नए आयाम हासिल कर रहा है।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यालयित को

विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योगण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मॉड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यालयी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. ए.के. सिंह

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन
एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। वर्षमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आ॒कड़ों के विश्लेषण के लिए उन्हें लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे।

वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आ॒कड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनन्वत मेहनत की सराहना करते हुए



ये रहे मौजूद

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि व अन्य।

उनकी बदौलत ही एचएयू नित नए आवाम हासिल कर रहा है।

लैब में होंगे चार क्षेत्र, शोध विद्यार्थी कर सकेंगे उपयोग : मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने ने मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग संस्कृत जानकारी दी। गणित एवं

सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजु सिंह टाक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर, आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होंगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहराबत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विधायक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहराबत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विधायक भी उपस्थित रहे।

सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी।

इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यु स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. सिंह

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उत्तम लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवासं कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवासं कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन



उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की।

उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके

लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूप स्थापित करने पर बधाई दी।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत

जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएएस और आर. मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिद्धुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहराकत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा आदि मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी लैब : डॉ. ए.के. सिंह

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 20 फरवरी : वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उत्तम लैब बहुत ज़रूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटेशनल लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की



सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित नए आयाम हासिल कर रहा है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने मुख्यातिथि को कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजु सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के लिए उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस लैब में सांख्यिकी की नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से

विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस दौरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. श्योराण द्वारा विकसित न्यू स्टेटिकल मोड्यूल का भी अनावरण किया, जिसका उपयोग विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. रणधीर सिंह, कुलपति के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एस. सिंहपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर. एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिटी पल्स न्यूज़ | 20.02.2021 | -- | -- |

शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी एडवांस कंप्युटिंग लैब : डॉ. ए.के. सिंह

गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। वर्तमान समय में विसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उत्तम लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वापर्यामानिक (विस्तार सिक्षा) डॉ. ए. के. सिंह ने कहे। वे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिक विभाग एवं मानवांकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग को एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे।

कार्बोक्रम की अध्यक्षता



हिसार। एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन करते हुए मुख्यातिथि।

विभागीयक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कमचारियों को अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनको बदौलत ही प्रदायन किया नए समूलेशन लैब शामिल है।

गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टाक ने महाननदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. बताया कि इस लैब में चार प्रमुख रणधीर सिंह, डॉ. एम.एस. स्टेट्रो होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मेथ लैब, एसएप्स एस. के. सहरावत, डॉ. आर.एस. और आर. मशीन लर्निंग लैब, हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागीय विभाग भी जल्द आए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पांच बजे न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब एवं सेमिनार रूम का उद्घाटन

शोधार्थियों के लिए वरदान साहित होगी लैब : डॉ. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उत्तम लैब बहुत जरूरी है। इस दिन में एडवांस कंप्युटिंग लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साहित होगा। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डा. मानविकी-कृषि (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने कहे। वे चौथे दरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपर्युक्त संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अवधान विश्वविद्यालय के कुलाधीश प्रोफेसर समर रियर ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत



महान वीर सराहना करते हुए उनकी बहुतात ही एवं युवा नित नए नई तकनीकों को विकसित करने व पहले से विकसित तकनीकों को उपयोग करने में मदद मिलती। इस दैरान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. रमेश द्वारा विकसित न्यु स्ट्रेटिक भारतीय का भी अनावरण किया, विस्तार उपर्युक्त विश्वविद्यालय के अलावा अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थी भी कर सकेंगे।

ये हैं योजना

इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अतिरिक्त मानविकी-कृषि (विस्तार शिक्षा) डॉ. रमेश सिंह, कृषीकृषि के विशेष कार्यकारी अधिकारी डॉ. एम.एम. सिद्धपुरीया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एम.के. सहयोग, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा सहित सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने लैब शामिल है। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने

ही लाभाधिक होगा। उन्होंने गणित एवं स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने लैब व सेमिनार रूम वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को अनवरत

लैब शामिल है। इसके अलावा एक विभाग की लाइब्रेरी भी होगी जिसका विद्यार्थी अपने



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नभ छोर | 20.02.2021 | -- | -- |

हक्कि में उप महानिदेशक ने किया एडवांस कंप्युटिंग लैब का उद्घाटन

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

वर्तमान समय में किसी भी शोधार्थी के लिए शोध की नई-नई तकनीकों व आंकड़ों के विश्लेषण के लिए उन्नत लैब बहुत जरूरी है। इसी दिशा में एडवांस कंप्युटेशनल लैब शोधार्थियों के लिए वरदान साबित होगी। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में गणित एवं सांख्यिकी विभाग की एडवांस कंप्युटिंग लैब के उद्घाटन उपरांत संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर समर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह की लैब की सहायता से शोधार्थी आंकड़ों का सही तरीके से विश्लेषण कर सकेंगे, जो उनके लिए बहुत ही लाभदायक होगा। उन्होंने गणित एवं सांख्यिकी विभाग को लैब व सेमिनार रूम स्थापित करने पर बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की अनवरत मेहनत की सराहना करते हुए उनकी बदौलत ही एचएयू नित नए आयाम हासिल कर रहा है। गणित एवं सांख्यिकी विभाग की अध्यक्षा डॉ. मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस लैब में चार प्रमुख क्षेत्र होंगे जिनमें स्टेटिकल प्रोग्रामिंग लैब, मैथ लैब, एसएस और आर, मशीन लर्निंग लैब, सिमुलेशन लैब शामिल हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

~~भैनी कु संवरा~~

दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....३-५

हक्कवि में बेकरी व कन्फेशनरी यूनिट स्थापित

● स्टार्टअप्स अपने
व्यवसाय को दे सकेंगे नए
आयाम, 23 फरवरी को
होगा विधिवत उद्घाटन

हिसार, 20 फरवरी (सुरेंद्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्कैल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। अब स्टार्टअप्स इस यूनिट को बहुत ही किफायती दरों पर किराए पर ले सकेंगे। यूनिट पूरी तरह से स्वचालित होगी और बेकरी के सभी उत्पाद बन सकेंगे।

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कान्फेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतोर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के



एबिक का फाइल फोटो।

धेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकें और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। यूनिट को किराए

बेकरी के सभी उत्पाद

हो सकेंगे तैयार

एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

पर लेने के के इच्छुक स्टार्टअप्स के लिए आवेदन मार्ग गए थे, जिसके लिए बहुत संख्या में स्टार्टअप्स ने आवेदन किए थे। इसी आधार पर इनका चयन भी जल्द ही किया जाएगा। बेकरी के सभी उत्पाद हो सकेंगे तैयार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्तु, प्राप्ति के सारी.....

दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या २, कॉलम ५५, ।-२

एबिक में बेकरी व कॉफेशनरी यूनिट स्थापित

हिसार | एचएयू में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कॉफेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। अब स्टार्टअप्स इस यूनिट को बहुत ही किफायती दरों पर किराए पर ले सकेंगे। यूनिट पूरी तरह से स्वचालित होगी और बेकरी के सभी उत्पाद बन सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कॉफेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी।

'स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबिक में बेकरी व कंफैक्शनरी यूनिट स्थापित'

हिसार, 20 फरवरी (ब्यूरो): लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कंफैक्शनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इससे स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|------------|--------------|------|
| एच आर ब्रेकिंग न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू एविक में बेकरी व कानफेशनरी यूनिट स्थापित

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र में बेकरी व कानफेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एविक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेज़ी से आगे बढ़ा सकेंगे।

इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एविक केंद्र में लगाया गया है। नाबांड की सहायता से स्थापित एविक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

एविक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद : नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स



एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी व एविक का फाइल फोटो।

अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एविक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी।

इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने

स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकें नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

**23 फरवरी को कुलपति
करेंगे उद्घाटन**

एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एविक के यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह वत्तर मुख्यालिंग उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबांड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुpta विशेष अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पांच बजे न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एबिक में बेकरी व कानूनेशनरी यूनिट स्थापित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कानूनेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नावार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

एबिक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेगी मदद

नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक



की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। 23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कानूनेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नावार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|------------|--------------|------|
| समस्त हरियाणा न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू के एविक में बेकरी व कान्फेशनरी यूनिट स्थापित



स्टार्टअप्स
अपने
व्यवसाय
को दे

सकेंगे नए आयाम,
23 फरवरी को होगा
विधिवत उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा
कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित
एविक केंद्र में बेकरी व कान्फेशनरी
यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस
यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स

कुलपति करेंगे उद्घाटन

एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कान्फेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बताए मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नावार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।

एविक से जुड़कर अपने व्यवसाय अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके कि इस बेकरी यूनिट को एविक लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित केंद्र में लगाया गया है। नावार्ड की करने से पहले पायलट स्केल पर सहायता से स्थापित एविक केंद्र की बेकरी चलाने का अनुभव भी इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद हासिल होगा। एविक की नोडल आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के

आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।
एविक टीम नेटवर्किंग व
बाजारीकरण के लिए भी
करेगी मदद : नोडल अधिकारी
ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स
अपने उत्पादों को बाजार में बेचना
चाहता है तो उसके लिए एविक की
टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में
मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी
चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी
स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास
में मदद करेंगे, ताकि वे अपने
व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी
से आगे बढ़ा सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| हिसार टूडे न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचाएयू स्थित एविक में बेकरी व कानफेशनरी यूनिट स्थापित

■ स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को दे सकेंगे नए आयाम, 23 फरवरी को होगा विधिवत उद्घाटन

टूडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र में बेकरी व कानफेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एविक से जुड़कर अपने

में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे।

नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एविक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।



डॉ. सीमा रानी
व्यवसाय
को तेजी
से आगे
बढ़ा
सकेंगे।
इसके लिए
उन्हें खुद
की यूनिट
स्थापित
करने से पहले पायलट स्कैल पर
बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एविक केंद्र में लगाया गया है। नाबांड की सहायता से स्थापित एविक केंद्र की इस यूनिट

23 फरवरी को कुलपति करंगे उद्घाटन

एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कानफेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचाएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बाजौरी मुख्यालिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबांड के क्षेत्रीय कार्यालय चांडीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीप गुहा विशिष्ट अंतिम होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पाठक पक्ष | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट स्थापित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फेक्शनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद

आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी इसके बाद स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। एबिक की



नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कन्फेक्शनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| जगत क्रान्ति | 20.02.2021 | -- | -- |

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एचएयू स्थित एविक में बेकरी व कान्फेशनरी यूनिट स्थापित

हिसार, (राज पराशर)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एविक केंद्र में बेकरी व कान्फेशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एविक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गनी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एविक केंद्र में लगाया गया है। नाबांड की सहयता से स्थापित एविक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एविक टीम नेटवर्किंग व बाजारीकरण के लिए भी करेंगी मदद नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एविक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेंगी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

23 फरवरी को कुलपति करेंगे उद्घाटन: एविक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा गनी ने बताया कि इस बेकरी एवं कान्फेशनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबांड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिटी पल्स | 20.02.2021 | -- | -- |

एचएयू स्थित एबिक में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कान्फेंशनरी यूनिट स्थापित हो चुकी है। इस यूनिट के स्थापित होने से स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा

रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है। नाबाई की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी एवं कान्फेंशनरी यूनिट का 23 फरवरी को कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नभ छोर | 20.02.2021 | -- | -- |

हकूमि में बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट स्थापित

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक केंद्र में बेकरी व कन्फैक्शनरी यूनिट स्थापित की गई है जिसके जरिए स्टार्टअप्स एबिक से जुड़कर अपने व्यवसाय को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे। इसके लिए उन्हें खुद की यूनिट स्थापित करने से पहले पायलट स्केल पर बेकरी चलाने का अनुभव भी हासिल होगा। एबिक की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस बेकरी यूनिट को एबिक केंद्र में लगाया गया है।

नाबार्ड की सहायता से स्थापित एबिक केंद्र की इस यूनिट में बेकरी के सभी उत्पाद आधुनिक तकनीकों व अनुसंधान के आधार पर तैयार किए जा सकेंगे। नोडल अधिकारी ने बताया कि अगर स्टार्टअप्स अपने उत्पादों को बाजार में बेचना चाहता है तो उसके लिए एबिक की टीम बाजारीकरण व नेटवर्किंग में मदद करेगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी स्टार्टअप्स की अनुसंधान व विकास में मदद करेंगे, ताकि वे अपने व्यवसाय को नया रूप देते हुए तेजी

से आगे बढ़ा सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस बेकरी एवं कन्फैक्शनरी यूनिट का 23 फरवरी को एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उद्घाटन करेंगे जबकि कार्यक्रम में नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय चण्डीगढ़ की चीफ जनरल मैनेजर दीपा गुहा विशिष्ट अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद स्टार्टअप्स अपने व्यवसाय को नए आयाम दे सकेंगे और अपने उत्पादों को भी इस यूनिट से तैयार कर बाजार में बेच सकेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनभूमि.....

दिनांक २०।।।२।।।२०२।। पृष्ठ संख्या.....२..... कॉलम.....७-८.....

कार्यशाला में बताए बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के तरीके

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरसी) की तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। इस मीके पर आईएआरसी सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी देवा कुमार ने आधुनिक तकनीक अपनाने का आवान किया। कार्यशाला को तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी रत्ना सभापति, डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने संबोधित किया। आयोजक डॉ. सीमा परमार ने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। ब्यूरो





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सैनिक भास्कर.....

दिनांक .२१.२.२०२१....पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-२.....

एचएयू में चल रही कार्यशाला संपत्र

हिसार | एचएयू की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का शनिवार को समाप्त हो गया। समाप्त अवसर पर डॉ. सीदेवा कुमार ने पुस्कालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। हैदराबाद विवि से डॉ. एनपी रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं ब्रिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में देशभर से 12 विषय के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलचान सिंह ने भी जानकारी दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| नभ छोर | 20.02.2021 | -- | -- |

आधुनिक तकनीकों को अपनाएं पुस्तकालय : देवा कुमार

हिसार/20 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला के समापन अवसर पर संस्थान से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी देवा कुमार ने पुस्तकालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाईन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करवाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करवाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी रत्ना सभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे

में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्तकालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एनपी रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग डू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी

हैंड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरेंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| हिसार टूडे न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अधिकृत महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्कालों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध कराने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार कराने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू



एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दैरोन संबोधित करते हुए वक्ता।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों डॉ. जी. रतनासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वकर्शॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं पुस्कालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रविकुमार ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्कालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरेंस ट्रूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| सिटी पल्स | 20.02.2021 | -- | -- |

हक्की में आयोजित डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला समाप्त

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हारियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नव दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय बहुआन्त कार्यशाला का समाप्त हुआ। समाप्त अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नव दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महाविदेशीक डॉ. मो. देवा कुमार ने पुस्कालयाली से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आवश्यन किया। उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में भीजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न



हिसार। एचएयू की लाइब्रेरी में आयोजित कार्यशाला के दैयन संबोधित करते हुए वक्ता।

अनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिखकों, अनुसंधानकर्ताओं व

बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हैट्रियोट विश्वविद्यालय से डॉ. एन पी. रवि कुमार ने मुडल सॉफ्टवेयर एवं बिग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला अध्यक्ष डॉ. ईमें पदमार ने एक अनुसंधान कार्य में प्रोग्राम होने वाले विभिन्न ऐप्लिकेशन ट्रॉल के बारे में जानकारी दी और उनका व्यावहारिक उपयोग वे लेकर डेली भी प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में ट्रॉल के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के कार्य 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाधीशों ने विस्तृत लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

मिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाधीशों ने विस्तृत लिया। बकरीपुर का मुख्य विषय विजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पर्दिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में विस्तृत लेने पर खुशबूद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|----------------------|------------|--------------|------|
| एच आर ब्रेकिंग न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला समापन एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्तकालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आवान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न ऑनलाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध करावाने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करावाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडू विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी. रत्नासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में



एचआर ब्रेकिंग न्यूज में आयोजित कार्यशाला के दौरान संबोधित करते हुए वक्ता।

विंग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी : हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन. पी. रविकुमार ने मूँडल सॉफ्टवेयर एवं विंग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इफोमेटिक्स कंपनी के तकनीकी हड्ड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आर रहो समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरेंस दस्त के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था।

देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. राजीव कुमार पटेलिया ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में भविष्य में भी नेहरू पुस्तकालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पांच बजे न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

कार्यशाला में बताए बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के तरीके

डिजिटलाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लालबेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अधिकारिक तत्वावधान डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्कालयाओं से आधुनिक तकनीकों को अपागे का आवान किया।

उन्होंने कहा कि पुस्कालयों में मौजूद पुस्कालों, जनल्य, परिकारों सहित विभिन्न ऑफलाइन शिक्षण समिक्षियों के शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक उपलब्ध कराने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार कराने चाहिए। इससे सभी जानकारियों एक ही जाह पर उपलब्ध हो सकेंगी और सभी की भी बचत होगी। तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. जी. रत्नारामपाति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवान कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाध्यक्ष डॉ. बलवान रिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्कालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. गजेव कुमार पटेरिपु ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला में हिस्सा लेने पर धन्यवाद किया और कहा कि भविष्य में भी नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक कार्यशालाओं का



आयोजन करता होगा।

बिंग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. गंगुली ने युडल सॉफ्टवेयर एवं बिंग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंसोर्टेक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्कालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी व इसके उपयोग में आ रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवान कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सी.देवा कुमार ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफार्स ट्रूस के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्कालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वकालों ने प्रतिभागियों को सुचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिये।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---------------------|------------|--------------|------|
| समस्त हरियाणा न्यूज | 20.02.2021 | -- | -- |

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

डिजिटलाइजेशन का
आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में
महत्वपूर्ण योगदान विषय
पर कार्यशाला समाप्त



अपनाने का आइडिया किया।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला का समाप्त हुआ। समाप्त अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से संवानित्युत अंतिरिक महानिदेशक डॉ. सोनी देवा कुमार ने पुस्कालयाधीशों से आधुनिक तकनीकों को

इससे सभी जानकारियों एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय को भी बचत होगी। लमिलनाहु, विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाधीश डॉ. जी. सतनामभालति ने रिसर्च मीटिंग के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवकाश दिया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी दी। पुस्कालयाधीश डॉ. बलचान सिंह ने बताया कि कार्यशाला में देशभर से सभी कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाधीशों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप का मुख्य विषय डिजिटाइजेशन का आधुनिक शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान था। डॉ. गणेश कुमार पर्याप्त ने सभी

विग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर की दी जानकारी

हैंदरगांव विश्वविद्यालय से डॉ. डॉ. पी. रविकुमार ने मूँहल सॉफ्टवेयर एवं विग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इंफोर्मेटिक्स कंजली के तकनीकी हड्डे अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी। व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी जानकारी कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमान ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विशिष्ट रेट्रेस ट्रूम्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग का लेकर डैमो भी प्रदर्शन किया। कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 विशेषज्ञ, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाधीशों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आयोजित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सुनाना तकनीक संबंधी विशिष्ट विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए। प्रतिभागियों को कार्यशाला में विस्तृत लेने पर नेहरू पुस्कालय इस प्रकार की लाभदायक घटनाकालीन कार्यशालाओं का आयोजन करता रहेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|------------|--------------|------|
| पाठक पक्ष | 20.02.2021 | -- | -- |

कार्यशाला में बेहतर रिसर्च प्रोफाइल बनाने के बताए तरीके

पाठकपत्र न्यूज़

हिसार, 20 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय वर्षुअल कार्यशाला का समापन हुआ। समापन अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली से सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. सी.देवा कुमार ने पुस्तकालयाध्यक्षों से आधुनिक तकनीकों के अपनाने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों में मौजूद पुस्तकों, जर्नल्स, पत्रिकाओं सहित विभिन्न अनेन्लाइन शिक्षण सामग्रियों को शिक्षकों, अनुसंधानकर्ताओं व विद्यार्थियों के लिए अधिक सें अधिक उपलब्ध कराने के लिए नए-नए सॉफ्टवेयर तैयार करनाने चाहिए। इससे सभी जानकारियां एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेंगी और समय की भी बचत होगी। तमिलनाडु विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. जी. रत्नासभापति ने रिसर्च मैट्रिक्स के बारे में सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया और अपने रिसर्च प्रोफाइल को बेहतर बनाने के विभिन्न तरीकों के बारे में भी जानकारी



रहेगा। हैदराबाद विश्वविद्यालय से डॉ. एन.पी. रंगविकाम ने मूडल सॉफ्टवेयर एवं बिंग ब्लू बटन सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा इंफोर्मेटिक्स कंपनी के तकनीकी हेड अमित कुमार ने देशभर में पुस्तकालयों में प्रयोग हो रहे कोहा सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी दी। व इसके उपयोग में आर रही समस्याओं के निवारण को लेकर भी अवगत कराया। इस कार्यशाला की आयोजक डॉ. सीमा परमाणे ने कृषि अनुसंधान कार्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न रेफरेंस टूल्स के बारे में जानकारी दी और इनका व्यावहारिक उपयोग को लेकर डेमो भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में देशभर के सभी कृषि विश्वविद्यालयों के करीब 400 शिक्षक, विद्यार्थी एवं कृषि पुस्तकालयाध्यक्षों ने हिस्सा लिया और इस कार्यशाला को तीन तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया था। इस कार्यशाला में देशभर से 12 विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था और सभी वक्ताओं ने प्रतिभागियों को सूचना तकनीक संबंधी विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी देते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक २१.२.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ३-६

एचएयू में बनेगी प्रदेश की पहली फिश प्रोसेसिंग लैब, राज्यों में मछली से बने प्रोडक्ट भेज सकेंगे

सरकार ने लैब के लिए 66 लाख रुपये का बजट किया जारी, नए शोध को प्रोत्साहन मिलेगा

महबूब अली। हिसार

जानिए.. फिशरीज कॉलेज की खासियत, क्या बनेंगे

प्रदेश के लोगों के लिए खुशखबरी है। जल्द ही एचएयू में प्रदेश की पहली फिश प्रोसेसिंग लैब स्थापित की जाएगी। जिसके लिए 66 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है। लैब के माध्यम से मछली से बनने वाले ऐसे प्रोडेक्ट भी तैयार किए जा सकेंगे, जो कई माह तक खराब नहीं होंगे। साथ ही रिसर्च भी की जा सकेगी। यहीं नहीं किसानों को भी समय समय पर प्रोडेक्ट बनाने के संबंध में ट्रेनिंग दी जाएगी। लैब का निर्माण कराने के लिए विविध प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, प्रदेश के किसी भी स्थान पर फिश प्रोसेसिंग

ट्रेनिंग किया जाएगा, ताकि वह अपनी

आमदनी को बढ़ा सके

■ लैब में तैयार प्रोडेक्ट को अन्य राज्यों के साथ विदेशों में भी बेचा जा सकेगा

■ मछलियों में होने वाली बीमारियों पर भी रिसर्च कर उनके समाधान का प्रयास किया जा सकेगा

■ मछली पालन भी अच्छा व्यवसाय है। कम जगह में मछली पालन कर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। जल्द ही एचएयू में लैब का निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। प्रदेश के लोगों को भी फिश प्रोसेसिंग लैबका फायदा होगा।

प्रोफेसर समर सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार।

लैब नहीं है। जिसके कारण किसानों को मछली के प्रोडेक्ट बनाने आदि के बारे में जानकारी हासिल नहीं हो पाती है। वैज्ञानिकों को भी मछली के प्रोडेक्ट आदि बनाने के लिए आसपास के राज्यों की तरफ रुख करना पड़ता

है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि विविध स्थापित की जाने वाली फिश प्रोसेसिंग लैब प्रदेश की पहली लैब होगी। जल्द ही लैब के निर्माण का कार्य शुरू करा दिया जाएगा। फिशरीज कॉलेज की ऑफिसर इंचार्ज

डा. रचना गुलाटी ने बताया कि लैब में मछलियों से बने विभिन्न प्रकार के प्रोडेक्ट बनाकर अन्य राज्यों में भी भेजा जा सकेंगे। वैज्ञानिक मछलियों से बनने वाले प्रोडेक्ट पर रिसर्च कर किसानों की आमदनी बढ़ाने का प्रयास करेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक मालका
दिनांक २०२१. २. २०२१ पृष्ठ संख्या. २ कॉलम. ४

एचएयू में 22 से मछली और झिंगा पालन की जानकारी लेंगे किसान

हिसार| एचएयू में 22 से 26 फरवरी तक प्रदेशस्तरीय ट्रेनिंग की जाएगी। इसमें प्रदेशभर के किसानों को मछली पालन कर आमदनी बढ़ाने के गुर सिखाए जाएंगे। खासियत यह है कि ट्रेनिंग में महिला किसान भी इस बार भागीदारी कर रही हैं। एचएयू के फिशरीज कॉलेज की ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुलाटी और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धर्मबीर सिंह ने बताया कि ट्रेनिंग में किसानों को मछली पालन कर आमदनी अधिक से अधिक करने के बारे में जानकारी दी जाएगी।



ਕੌਦਰੀ ਚਰਣ ਸਿੰਹ ਹਰਿਯਾਣਾ ਕ੃਷ਿ ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਆਲਾਯ, ਹਿਸਾਰ ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਕਾਰਾਈਲਾਇ

ਸਮਾਚਾਰ ਪਤਰ ਕਾ ਨਾਮ.....ਸਿੰਹ ਮਾਲ

ਦਿਨਾਂਕ .2.0.2.2.2021...ਪ੍ਰਤਿ ਸੰਖਿਆ.....2.....ਕੱਲਮ.....1-2.....

ਏਚਏਚ ਕੇ 3 ਛਾਤ੍ਰ ਯੂਪੀ ਮੇਂ ਬਨੇ ਸਹਾਯਕ ਮਤਥਿ ਨਿਦੇਸ਼ਕ

ਹਿਸਾਰ | ਏਚਏਚ ਕੇ ਫਿਸ਼ਰੀਜ ਕੱਲੇਜ ਮੇਂ ਪਢ ਰਹੇ ਤੀਨ ਛਾਤ੍ਰ ਏਵਾਂ ਛਾਤ੍ਰਾਓਂ ਕਾ ਚਿਨ ਯੂਪੀ ਮੇਂ ਸਹਾਯਕ ਮਤਥਿ ਨਿਦੇਸ਼ਕ ਦੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਨਿਵਾਜ ਹੁਆ ਹੈ। ਕੁਲਪਤਿ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸਮਰ ਸਿੰਹ ਅਤੇ ਫਿਸ਼ਰੀਜ ਕੱਲੇਜ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੋ ਬਧਾਈ ਦੀ। ਫਿਸ਼ਰੀਜ ਕੱਲੇਜ ਦੀ ਆਫਿਸਰ ਇੱਚਾਰਜ ਡਾਂ. ਰਚਨਾ ਗੁਲਾਟੀ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਪੀਏਚਡੀ ਕਰ ਰਹੇ ਛਾਤ੍ਰ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਤ ਕੁਮਾਰ, ਗਿਰੀਸ਼ ਤ੍ਰਿਪਾਠੀ ਅਤੇ ਤ੍ਰਿਭਵਾਨ ਚੌਥੀ ਕਾ ਸਲੋਕਸ਼ਨ ਯੂਪੀ ਮੇਂ ਸਹਾਯਕ ਮਤਥਿ ਨਿਦੇਸ਼ਕ ਦੇ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਨਿਵਾਜ ਹੁਆ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਅਗੇ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਸਕੀ ਹੈ। ਜਲਦ ਤੀਨੋਂ ਕੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਹੋਗੀ। ਤੀਨੋਂ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਏਚਏਚ ਦੀ ਚੌਥੀ ਕੋ ਲਗਾਤਾਰ ਮਾਰਗਦਾਰੀ ਕਰਨੇ ਦੇ ਕਾਰਣ ਹੀ ਵਹ ਸਫਲ ਹੋ ਸਕੇ। ਕੁਲਪਤਿ ਡਾਂ. ਸਮਰ ਸਿੰਹ ਨੇ ਕਹਾ ਕਿ ਅਨ੍ਯ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੀ ਭੀ ਮੇਹਨਤ ਕਰ ਬੁਲਦਿਵਾਂ ਕੀ ਛੂਨਾ ਚਾਹਿਏ।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प.ज्ञ! बा...कैरी.....

दिनांक २१....२....२०२१..पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....५-५.....

'कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में युवा वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित'



गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में युवाओं के साथ हंसराज जाजूदा व अन्य।

मंडी आदमपुर, 20 फरवरी (पंकेस): गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में हिसार जिला के 14 गांवों के बेरोजगार युवाओं को जागरूक करने के लिए युवा व वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पार्षद हंसराज जाजूदा व अध्यक्षता केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र

आमदनी भी कम होती है, लेकिन हमें काम बीच में छोड़कर भागना नहीं चाहिए और पहले से ज्यादा मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे की प्रवृत्ति से दूर रहें। केंद्र के संयोजक डॉ. नरेंद्र

कुमार ने बताया कि युवा खुभ उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केचुआ खाद, जैविक खेती, फल-सब्जी संरक्षण आदि अपनाकर स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर किसानों के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है।